कार्य पत्र 17

कक्षा 6 विषय हिंदी

अध्यापिका रेखा ठाकुर

पाठ 13 होशियार

1. **उचित कारक-चिह्नों से रिक्त स्थान भरिए—**

क. सड़क ···पर··· गाड़ियों से होशियार रहना।

ख. शेन ···ने··· सारा किस्सा माँ ···को··· सुनाया।

ग. ऊँची आवाज़ें हवा ···में··· गूँज रही थीं।

घ. शेन माँ ···के लिए··· डबलरोटी खरीदने बाज़ार गया।

ङ माँ ···ने··· कई बार डर ···से··· साँस अंदर खींची।

2. **वचन बदलिए—**

लड़का	–	···लड़के···	बंदूक	–	···बंदूकें···	मौसी	–	···मौसियाँ···
किस्सा	–	···किस्से···	मुहल्ला	–	···मुहल्ले···	दरवाज़ा	–	···दरवाज़े···
आवाज़	–	···आवाज़ें···	डबलरोटी	–	···डबलरोटियाँ···	दुकान	–	···दुकानें···

3. बॉक्स में से सही शब्द छाँटकर रिक्त स्थान भरिए–

लोगों की – '''भीड़'''	फूलों की – '''टोकरी'''	तारों का – '''समूह'''
चाबियों का – '''गुच्छा'''	पशुओं का – '''झुंड'''	सेना की – '''टुकड़ी'''

4. मुहावरों का वाक्य में प्रयोग कीजिए–

क. हाथ-पैर काँपना (डर जाना) – '''अचानक साँप को सामने देखकर मेरे हाथ-पाँव काँपने लगे।'''

ख. हवा से बातें करना (तेज़ दौड़ना) – '''एक्सप्रेस वे पर मेरी गाड़ी हवा से बातें करने लगी।'''

ग. आँखों से ओझल हो जाना (भाग जाना) – '''चोर पुलिस को देखकर आँखों से ओझल हो गया।'''

घ. राई का पहाड़ बनाना (बात का बतंगड़ बनाना) – '''तुमने तो छोटी-सी बात को राई का पहाड़ बना दिया।'''

5. निम्नलिखित वाक्यों में संबंधबोधक अव्यय रेखांकित कीजिए–

क. गोली का खोल शेन के पाँव <u>के पास</u> गिरा।

ख. उसके सिर <u>के नीचे</u> तकिये की तरह रख दिया।

ग. अगर सिर <u>के आर-पार</u> छेद नहीं चाहते तो चुप रहो।

घ. आप माँ <u>के पास</u> रहिए, मैं आता हूँ।

ङ. वह धीरे-धीरे गली <u>के बाहर</u> जा पहुँचा।

लिखिए

1. **गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

शेन मुँह फाड़े ..... और ही था!

क. किस घटना को शेन मुँह फाड़े देखता रहा?

उ. शेन बदमाशों द्वारा गोली चलाए जाने और वैन से भागने की घटना को मुँह फाड़े देखता रहा।

ख. वैन में कौन जा रहा था?

उ. वैन में बदमाश जा रहे थे।

ग. 'मुँह फाड़े देखने' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

उ. आश्चर्य चकित होना।

2. **संक्षेप में उत्तर लिखिए–**

क. शेन ने तंदूरवाले लड़के से बहस क्यों की?

उ. शेन ने तंदूरवाले लड़के से बहस की क्योंकि रोटी दिनोंदिन छोटी होती जा रही थी जबकि वह दाम दस सेंट ज़्यादा माँग रहा था।

ख. पिस्तौल देखकर रोटीवाले का क्या हाल हुआ?

उ. पिस्तौल देखकर डर से रोटीवाले का चेहरा रोटी की तरह सफ़ेद हो गया। घुटने काँपने लगे और दाँत किटकिटाने लगे।

ग. गोली चलाने के बाद बंदूकवाले ने क्या किया?

उ. गोली चलाने के बाद बंदूकवाला और उसका साथी दुकान से बाहर भागे, वैन में कूदे, शेन की साइकिल को टक्कर मारकर गिराया और बिजली की तेज़ी से बाहर निकल गए।

घ. शेन की बेहोश माँ को देखकर पड़ोसियों ने क्या सोचा?

उ. शेन की बेहोश माँ को देखकर पड़ोसियों ने सोचा कि शेन की माँ के सिर में गोली लगी है।

ङ. शेन ने भीड़ का कौतूहल शांत करने के लिए क्या किया?

उ. शेन ने भीड़ को तीन बार घटना के बारे में बताया। इस तरह भीड़ का कौतूहल शांत हुआ।

3. विस्तार से उत्तर लिखिए—

क. शेन की माँ क्यों बेहोश हो गईं?

उ. शेन ने जब अपनी माँ को बताया कि तंदूरवाले की दुकान में बदमाशों ने गोली चला दी और गोली रोटी में लग गई, तो गोली चलने की बात सुनकर माँ शेन की बात पूरी सुने बिना ही बेहोश हो गई।

ख. शेन ने सलीमा आंटी को पूरी घटना संक्षेप में किस तरह बताई? उन्होंने क्या समझा?

उ. शेन ने सलीमा आंटी को कहा, "बंदूक की गोली लग गई है। छेद हो गया है। बंदूक छूट गई। बंदूकवाला आदमी भाग गया है। उसकी गाड़ी मेरी साइकिल के ऊपर से निकल गई। कृपया मेरी माँ के पास रहिए। मैं जाता हूँ अपनी मौसियों को बुलाने।" सलीमा आंटी ने समझा कि शेन की माँ को गोली लग गई है और सर में छेद हो गया है।

ग. शेन के साथ घटी रोमांचक घटना का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।

उ. शेन डबलरोटी लेने पास की दुकान तक गया। उसने डबलरोटी ली ही थी कि अचानक दो बदमाशों ने दुकान पर हमला बोल दिया। अफ़रा-तफ़री में बचाव के लिए बदमाशों ने गोली चला दी। और शेन की साइकिल को टक्कर मारकर भाग गए। घर पहुँचने पर शेन की टूटी हुई साइकिल देखकर माँ घबरा गईं थी। शेन ने माँ को गोली चलनेवाली बात बताई तो माँ यह सुनकर बेहोश हो गई। शेन डॉक्टर को बुलाने दौड़ा और पड़ोसियों को कुछ आधी कुछ पूरी बात बताकर चला गया। सलीमा आंटी को लगा कि शेन की माँ को गोली लगी है। उन्होंने दूसरे पड़ोसियों को बताया। पड़ोसियों ने घबराकर पुलिस और एंबुलेंस को फोन कर दिया। इतने में शेन की माँ होश में आईं तो उन्होंने पड़ोसियों को सच बताया। शेन ने आने के बाद सबको पूरी बात बताई कि गोली माँ को नहीं बल्कि डबलरोटी में लगी थी और छेदवाली डबलरोटी भी दिखाई। तब सब शांत हुए और माँ ने शेन के सकुशल होने पर ईश्वर को धन्यवाद दिया।

घ. शेन की माँ ने होश में आने पर पड़ोसियों से क्या कहा?

उ. शेन की माँ ने होश में आने पर पड़ोसियों से कहा, "पुलिस की कोई ज़रूरत नहीं है। एंबुलेंस नहीं चाहिए मुझको। गोली मेरे सिर में नहीं लगी, डबलरोटी में लगी है। छेद डबलरोटी में है।"